D. Ed

Unit - 2 (C)

* समावेशी शिक्षा और शैक्षिक व्यवस्था में बदलाव *

5. विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को सामाजिक गतिविधियों में सामान्य रूप से भाग लेने का अवसर प्रदान करना, जिससे उनमें अपरिचित भाव या दूरी घट जाती है।
इसमें विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को समान शैक्षिक अवसर मिलते हैं और वे समाज के अन्य सदस्यों की तरह जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने की योग्यताएँ विकसित कर लेते हैं।

6. विषय से संबंधित जानकारी एवं सीखने में सहायक अनेक प्रकार के उपकरणों की व्यवस्था करना ताकि पाठ्यक्रम में यथोचित समुकूलन किया जा सके।

इस प्रकार यह देखा जा सकता है कि आज समावेशी शिक्षा के दायरे में सिर्फ विशेष आवश्यकता वाले बच्चे ही नहीं, वंचित बच्चे भी आने लगे हैं।
समावेशी शिक्षा का दायरा बढ़ गया है, इसीलिए समुचित विद्यालय प्रबन्धन के समावेशी शिक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका है।

Scanned with CamScanner